Appointments

पाठ्यक्रम प्रबंधन
Curriculum Managment

Management का अर्थ है—

उपलब्ध संसाधनों का दक्षता पूर्वक तथा प्रभावपूर्ण तरीके से उपयोग करते हुए लोगों के कार्यों में समन्वय करना ताकि लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके।

प्रबन्धन के अन्तर्गत आयोजन Planning संगठन-निर्माण (organizing) स्टाफिंग staffing नेतृत्व करना Leading or directing तथा संगठन अथवा पूरे का नियंत्रण करना आदि आते है।

संगठन भले ही बड़ा हो या छोटा, लाभ के लिए हो अथवा गैर लाभ वाला, सेवा प्रदान करता हो अथवा विनिर्माणकर्ता, प्रबंध सभी के लिए आवश्यक है।

प्रबंधन इसलिए आवश्यक है कि व्यक्ति सामुहिक उद्देश्यों की पूर्ति में अपना श्रेष्ठतम योगदान दे सके। प्रबंधन में पारस्परिक रूप से सम्बंधित वह कार्य सम्मिलित है जिन्हे सभी प्रबंधक करते है।

Scanned with CamScanner

प्रबंधक अलग-अलग कार्यों पर भिन्न समय लगाते हैं। संगठन के उच्च स्तर पर बैठे प्रबंधक नियोजन एवं संगठन पर नीचे स्तर के प्रबंधकों की तुलना में अधिक समय लगाते हैं।

प्रबन्धन का संक्षिप्त इतिहास
Brief History of Management

आधुनिक प्रबन्धन का इतिहास २०वी सदी के प्रारम्भ से शुरू होता है। जब औद्योगिक क्रांति के साथ-साथ प्रबंध के क्षेत्र में अनेक ऐसे प्रयोग किए गये जिनसे प्रबन्ध के अनेक सिद्धांतों का जन्म हुआ।

इन सिद्धांतों में टेलर का प्रबन्ध दशाता सिद्धांत, एल्टनमेयो का मानवीय सम्बन्ध सिद्धांत, मैक्स वेबर का ब्यूरोक्रेसी सिद्धांत, गुलिक व फेयोल का प्रशासनिक प्रक्रिया सिद्धांत अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुए एवं इन्होंने प्रबन्ध के क्षेत्र को सर्वाधिक ढंग से प्रभावित किया है।

"प्रबन्ध को संगठन का मस्तिष्क भी कहा जा सकता है।"

"प्राचीन धार्मिक संस्थाओं, वेद, पुराणों, राम-रावण युद्ध, महाभारत व गीता, कौटिल्य के अर्थशास्त्र आदि नियोजन, उत्पादन, प्रबन्धन के स्पष्ट साक्ष्य मिलते हैं।"

निःसन्देह शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक Technology के प्रयोग ने आज शिक्षा में प्रबन्धन का महत्व और अधिक बढ़ा दिया है, साथ ही इसका प्रयोग से समन्वित विभिन्न शिक्षा-कार्यक्रमों को करने एवं शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति में प्रबन्धन की सहायता ली जाने लगी है।

<u>Scott स्काट</u> - के अनुसार -

द्वन्द्वों को न्यूनतम करना (i.e. minimise the conflict) ही प्रबन्ध का अंतिम उद्देश्य होता है।

प्रबन्धन के अंग्रेजी शब्द Management को Manage-Ment के रूप में और कभी-कभी इसे - Manage-Man-Tactfully के रूप में परिभाषित किया जाता है। जो व्यक्तियों से कार्य लेने की कला का सूचक भी है। इस प्रकार से प्रबन्ध नियोजन, क्रियान्वयन तथा पुनर्चिन्तन से सम्बन्धित होता है।

कुछ विद्वान प्रबन्धन को दूसरों से कार्य कराकर सामूहिक उद्देश्यों को प्राप्त करने की कला मानते हैं। लेकिन यह प्रबन्धन की एक संकीर्ण परिभाषा ही कही जा सकती है।

प्रबन्धन की परिभाषा

According To Mcfarland

"प्रबन्धन आधारभूत समन्वय तथा संचालन संक्रियां हैं, जो संगठित प्रयासों से युक्त हैं।"

"Management is the fundamental integrating and operating mechanism underlying organised efforts"

जार्ज टैरी के अनुसार —

"पूर्व निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए मानवीय तथा अन्य संसाधनों का उपयोग करने की सुनिश्चित प्रक्रिया है।"

"Management is a distinct process performed to determine and accomplish stated adjectives by the use of human beings and the resources

Scanned with CamScanner

प्रबन्धन की विशेषतायें

Characteristics of Management

① उद्देश्यपूर्ण गतिविधि (Purposeful Activity)

प्रबन्धन एक उद्देश्य केन्द्रित गतिविधि तथा प्रक्रिया है प्रबन्धन का सदैव ही कोई न कोई उद्देश्य अवश्य होता है। प्रबन्धन का प्रमुख उद्देश्य सरल, सुगम, सहज तथा प्रभावी रूप से किसी संगठन के पूर्व निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करना है। प्रबन्धन को वस्तुतः वांछित उद्देश्यों की प्राप्ति का प्रभावी साधन माना जाता है।

② लक्ष्य केन्द्रितता (Result oriented)

प्रबन्धन का केन्द्रबिन्दु अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु क्रियाकलापों का आयोजन करना है। प्रबन्धन की सहायता से यह निर्धारित करना सरल हो जाता है कि कहाँ से कार्य प्रारम्भ किया जाय कैसे कार्य सम्पन्न किया जाये, कौन, कौन से संसाधन जुटाये जायें तथा उनका सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाये जिससे सफलता मिल सके।

③ सार्वभौमिकता (Universality) →

प्रबन्धन में सार्वभौमिकता की झलक विद्यमान होती है यही कारण है कि समाजों

03 September
Tuesday WK 36
Day 246-119
2019

सभी परिवारों तथा सभी उपक्रमों में किसी न किसी रूप में प्रबन्धन की आवश्यकता होती है।

④ समन्वित प्रक्रिया (Integrative Process)

प्रबन्धन के अन्तर्गत विभिन्न मानवीय एवं भौतिक संसाधनों का इस प्रकार से समन्वय किया जाता है कि इससे अधिकतम वांछित परिणाम प्राप्त हो सके प्रबन्धकर्ता अपने ज्ञान, अनुभव, शिक्षा तथा कार्यशैली के द्वारा उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करके कार्य सम्पादित कराते है।

⑤ क्रिया आधारित (Activity Based)

प्रबन्धन की प्रकृति क्रिया-आधारित होती है। प्रबन्धन में प्रबन्धकर्ताओं को अपने उपक्रम के विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित विविध प्रकार के कार्य सम्पन्न कराने होते हैं। क्योंकि प्रबन्धक मण्डल ही उपक्रम के समस्त कार्यों के लिए उत्तरदायी होता है इसलिए प्रबन्धन में लगे व्यक्तियों को क्रियाशील रहना होता है।

⑥ बहुआयामी (Multi-Disciplinary)

प्रबन्ध का कोई एक विशिष्ट कार्य या क्षेत्र नहीं होता बल्कि प्रबन्धन के अन्तर्गत अनेक कार्य, अनेक आयाम होते हैं।